

नेपाल 'इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस' में शामिल

स्रोत: HT

नेपाल आधिकारिक तौर पर 'इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस' (IBCA) का सदस्य बन गया है

'इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस' (IBCA)

- भारत के नेतृत्व में बड़ी बल्लियों की सात प्रजातियों और उनके आवासों के संरक्षण के लिये समर्पित 90 से ज्यादा बड़ी बल्लियों वाले देशों और गैर-बड़ी बल्लियों के संरक्षण में रुचि रखने वाले देशों का एक बहु-देशीय, बहु-एजेंसी गठबंधन है।
 - इसे भारत के प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2019 में प्रस्तावित किया गया था तथा अप्रैल 2023 में आधिकारिक रूप से (मैसूर, कर्नाटक) में प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ पर लॉन्च किया गया।
- संस्थापक सदस्य (16): भारत, आर्मेनिया, बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, इक्वाडोर, केन्या, मलेशिया, मंगोलिया, नेपाल, नाइजीरिया, पेरू, सूरीनाम और युगांडा।
- केंद्रित प्रजातियाँ: बाघ, शेर, तेंदुआ, हमि तेंदुआ, चीता, जैगुआर, प्यूमा।
 - भारत इन 7 में से 5 की मेजबानी करता (प्यूमा और जैगुआर भारत में नहीं पाए जाते) है।
- उद्देश्य: अवैध वन्यजीव व्यापार को रोकना, प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना, वित्तीय और तकनीकी संसाधनों को जुटाना तथा बड़े बल्लियों (Big Cats) पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना।
- शासन व्यवस्था: यह अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के मॉडल पर आधारित है और इसमें मुख्य नरिणय लेने वाली संस्था के रूप में सदस्यों की एक महासभा, नीति क्रियान्वयन के लिये एक स्थायी समिति तथा भारत (नई दिल्ली) में स्थित एक सचिवालय शामिल है।



और पढ़ें: ['इंटरनेशनल बगि कैट एलायंस' \(IBCA\)](#)

